सांध्य दैनिक 4PM

सुझाव देना और बाद में हमने जो कहा उसके नतीजे से बचने की कोशिश करना बेहद आसान है।

-जवाहरलाल नेहरु

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 346 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 24 जनवरी, 2025

रणजी ट्रॉफी में जडेजा ने झटके पांच... 7 | महाराष्ट्र में फिर तेज हुई सियासी... 3 | सीएम नीतीश कुमार अपराधियों... 2

क्या योगी ने कर लिया सेल्फ गोल!

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिया सीएम योगी को चैलेंज, लखनऊ में गोमती, कानपुर में गंगा और आगरा में यमुना नदी का पानी पी कर दिखाएं

» बैकफुट पर बीजेपी, खुद अपने सवालों का जवाब नहीं दे पा रही पार्टी

» आप नेता संजय सिंह और गोपाल राय ने दिया करारा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तो क्या यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने ही पाले में गोल कर लिया है। लगता कुछ इसी प्रकार है। कल सीएम योगी दिल्ली में चुनाव प्रचार करने गये थे। वहां उन्होंने जी भर कर केजरीवाल सरकार को कोसा। लेकिन जिन मुददों पर उन्होंने केजरीवाल सरकार को कोसा उन्ही मुददों पर विपक्ष ने उन्हें घेर लिया है।

यमुना नदी का प्रदूषण, दिल्ली की सड़के, कानून व्यवस्था और बिजली की दरों पर उठाये गये उनके सवाल अब बीजेपी को ही परेशान करने लगे हैं क्योंकि उनके सवालों के जवाब सिलसिलेवार तरीके से विपक्ष की ओर से आ गये है। सीएम योगी द्वारा रैली में दिये गये भाषण से बीजेपी बैकफुट पर आती दिखाई दे रही है। सीएम योगी के यमुना नदी पर दिये गये बयान पर आप नेता संजय सिंह ने उन्हें खुली चुनौती देते हुए कहा है कि सीएम आवास से महज एक? किलो मीटर की दूरी पर बह रही गोमती नदी में सीएम योगी डुबकी लगा कर दिखाएं।

आप के समर्थन में खुलकर सामने आये अखिलेश

सीएम योगी की इस चुनौती पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव आम आदमी पार्टी के लिए फ्रंटफुट पर आ गये हैं। अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि जो लोग बाहर जाकर दूसरों को चुनौती दे रहे हैं, वो खुद क्यों नहीं अपने राज्य की यमुना में डुबकी लगा रहे हैं? समाजवादी पार्टी के आधिकारिक मीडिया हैंडल से लिखा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लखनऊ में गोमती, कानपुर में गंगा और आगरा में यमुना नदी का पानी पीना चाहिए, जब यह नहीं कर सकते तो झूठ बोलने से परहेज करना चाहिए। अखिलेश यादव ने इस बयान के जरिए न केवल योगी के बयान को पलटने की कोशिश की बल्कि यह भी साबित करने की कोशिश की कि उत्तर प्रदेश की नदियों की सफाई और उनके जल स्तर की हालत भी कोई छुपा हुआ सत्य नहीं है।

योगी से सवाल

सीएम योगी आदित्यनाथ का बयान केवल एक साधारण सवाल या आलोचना नहीं था। बल्कि यह राज्य के जल, नदी और पर्यावरणीय मुद्दों को लेकर गहरे राजनीतिक संकेत दे रहा था। उन्होंने इस बयान के जरिये एक प्रकार से उत्तर प्रदेश के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाने की कोशिश थी। अब खुद भाजपा के लिए मुश्किल पैदा कर रहा है। उत्तर प्रदेश में नदियों की सफाई, जल संरक्षण, और पर्यावरणीय मुद्दों पर कई बार सवाल उठ चुके हैं, और अब विपक्ष ने इन मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया है। जाहिर सी बात है सवाल उठाने वालों को जवाब भी देना चाहिए। पूरी आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और अन्य दल चीख-चीख कर यूपी की नदियों समेत बिजली व्यवस्था के साथ-साथ कानून व्यवस्था पर भी जवाब मांग रहे हैं।

खुद कितने गंभीर हैं योगी

भारत में नदियों की सफाई और जल संरक्षण एक अत्यंत जटिल और संवेदनशील मुद्दा है। हर राज्य के लिए नदियों की स्थिति अलग होती है और उनका संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। चाहे वह गंगा हो, यमुना हो या गोमती, इन नदियों के प्रदूषण को लेकर कई बार सरकारी योजनाएं और प्रयास विफल रहे हैं। ऐसे में योगी आदित्यनाथ का बयान केवल दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ था, लेकिन यह अन्य राज्यों के लिए भी एक खुला सवाल बन गया कि वे अपनी नदियों की सफाई को लेकर कितने गंभीर हैं।

केजरीवाल ने भी दिया जवाब

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने तुरंत ही सीएम योगी को जवाब भी दे दिया। सीएम योगी के संबोधन के बाद केजरीवाल ने अपनी एक जनसभा में कहा कि आज यूपी के सीएम दिल्ली आए हुए हैं। योगी आदित्यनाथ जी का हम तहे दिल से स्वागत करते हैं। यूपी में डबल इंजन की सरकार है। मैं बस यह पूछना चाहता हूं कि यूपी में कितने घंटे के पावर कट लगते हैं। वो कह रहे हैं भाजपा को वोट दो...क्यों दें तुमको वोट। नोएडा में 6-6 घंटे के पावर कट लगते हैं। लखनऊ में 8-8 घंटे के लगते हैं। इसके बाद आप के सोशल मीडिया हैंडल्स ने भी सीएम योगी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

संजय सिंह ने योगी को घेरा

बात जब यूपी से हो तो संजय सिंह का जवाब देना लाजमी है। आप सांसद संजय सिंह ने तुरंत सीधा चैलेंज सीएम योगी को करते हुए कहा कि योगी जी के घर से 1 किलोमीटर की दूरी पर लखनऊ में आदि गंगा माँ गोमती हैं। मैं योगी जी के साथ वहाँ चलने को तैयार हूँ वो डुबकी लगायें पूरा देश देखेगा।

कैसे डैमेज कंट्रोल करेगी बीजेपी!

सीएम योगी आदित्यनाथ का दिल्ली में दिया गया बयान न केवल एक व्यक्तिगत आलोचना थी, बल्कि वह कई बड़े राजनीतिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय सवालों को जन्म देने वाला था। विपक्ष ने उनके बयान का पूरी तरह से जवाब दिया और इसे एक और राजनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। राजनीति में कभी भी एक बयान बहुत बड़ी बहस का रूप ले सकता है और यह किसी व्यक्ति या पार्टी के लिए फायदेमंद नहीं बल्कि

मुश्किलें भी पैदा कर सकता है। अब यह देखना होगा कि योगी आदित्यनाथ और उनके राजनीतिक समकक्ष इस विवाद को कैसे संभालते हैं और क्या वे जल, पर्यावरण और नदी सफाई के मुद्दों पर वास्तविक कदम उठाने की दिशा में काम करेंगे।

सीएम नीतीश कुमार अपराधियों को दे रहे संरक्षण : तेजस्वी यादव

अनंत सिंह प्रकरण पर नेता प्रतिपक्ष ने लगाए गंभीर आरोप, कहा- सरकारी गुंडों ने लोगों का जीना किया दूभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मोकामा में पूर्व विधायक अनंत सिंह और उनके समर्थकों पर गोलियां चलने की घटना पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने सत्ताधारी पार्टी और राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला।

उन्होंने कहा कि कई राउंड गोलियां चलने और अपराधियों के खुलेआम इंटरव्यू देने की घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपराधियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, मुख्यमंत्री ने हाल ही में दो खतरनाक अपराधियों को जेल से बाहर निकालने का आदेश दिया और कानून में बदलाव किया, इसके बाद बिहार में अपराधी बेलगाम हो गए हैं। तेजस्वी के मुताबिक सरकार के मंत्री के भाई दुकानदारों का अपहरण कर जमीन लिखाने का काम कर रहे हैं, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। पिछले आठ महीनों से ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं, जिनकी जानकारी सरकार को है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही। अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं और इंटरव्यू दे रहे हैं, यह दर्शाता है कि सरकार इन अपराधियों को संरक्षण दे रही है।

सीएम क्यों नहीं ले रहे संज्ञान

आरजेडी नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इन हालातों पर ध्यान देना चाहिए और अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। बिहार की जनता इन समस्याओं से जूझ रही है, और मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी है कि वह राज्य की सुरक्षा और विकास के लिए ठोस कदम उठाएं। बता दें कि मोकामा के पंचमहला थाना क्षेत्र के नौरंगा गांव में बुधवार को भारी गोलाबारी हुई, जिससे पूरा इलाका दहशत में आ गया। घटना के दौरान पूर्व विधायक अनंत सिंह और उनके समर्थकों पर विरोधियों ने गोलियां चलाईं। इसके जवाब में अनंत सिंह के समर्थकों ने भी फायरिंग की। बताया जा रहा है कि करीब 60 से 70 राउंड गोलियां चलीं, जिसमें कुछ लोग घायल हो गए। अनंत सिंह के दो समर्थकों को भी गोली लगने की खबर है, हालांकि वे गंभीर चोट से बच गए। इस घटना में ईंट भट्टा संचालक सोनू और मोनू पर आरोप लगाए।

अधिकारी ले रहे हैं करोड़ों की घूस

उन्होंने आगे कहा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का शासन अब सवालों के घेरे में है। अगर इस तरह की घटनाएं किसी अन्य राज्य में होती, तो वह मीडिया की प्रमुख खबर बनती, लेकिन बिहार में यह घटनाएं सामान्य हो चुकी हैं। बिहार में अपराधियों का बोलबाला है और सरकार की भूमिका महज दिखावे तक सीमित रह गई है। वहीं, भ्रष्टाचार का भी बहुत बड़ा मामला सामने आ रहा है, जहां अधिकारी करोड़ों रुपयों की घूस ले रहे हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर बिहार में कानून और व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है।

बीजेपी सरकार के बैड गवर्नेंस का दिल्ली की जनता को अनुभव : डी. राजा

» कहा- फूट डालो और राज करो की नीति के तहत चुनाव जीतने में विश्वास करती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी के बड़े नेताओं की दिल्ली चुनाव में सभाओं से नाराज भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता डी. राजा ने कहा है कि दिल्ली में चुनाव जीतने के लिए भाजपा बहुत बेताब है। इसलिए अब वे अपने बड़े नेताओं को प्रचार में उतार रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि दिल्ली की जनता काफी समझदार है। दिल्ली देश की राजधानी है और यहां की जनता को भाजपा के खराब शासन का अनुभव है। जनता ही भाजपा को हराएगी। हमें अपने लोगों पर पूरा विश्वास है और हम इसी के तहत प्रचार कर रहे हैं। हमारी पार्टी का मुख्य उद्देश्य भाजपा को हर हाल में हराना है।

उन्होंने कहा कि भाकपा जनता के बीच काम कर रही है और जनता को जोड़ने में लगी हुई है। भाजपा हताश है और वह चुनाव के नतीजों को लेकर बेचैन दिखाई दे रही है। इसलिए भाजपा ने पीएम मोदी से वर्चुअल रैली को संबोधित कराया और अब योगी आदित्यनाथ को प्रचार के लिए लाया गया है। डी. राजा ने कहा, भाजपा ध्रुवीकरण की राजनीति में विश्वास करती है। वह फूट डालो और राज करो की नीति के तहत चुनाव जीतने में विश्वास करती है। उन्हें लगता है कि लोगों को धर्म के आधार पर बांटा जाना चाहिए। इसलिए वह मुस्लिम इलाके में प्रचार करने के कारण कांग्रेस को निशाना बना रहे हैं। मुझे लगता है कि दिल्ली के लोगों को इस तरह के सांप्रदायिक रुख रखने वाले लोगों को हराना चाहिए।

'चुनाव आयोग को करनी चाहिए कार्रवाई'

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा चुनाव आयोग को पत्र लिखे जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, आतिशी दिल्ली की मुख्यमंत्री हैं और वह एक जिम्मेदार व्यक्ति हैं। उन्होंने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर कई मुद्दे उठाए हैं। चुनाव आयोग को उनकी बातों पर ध्यान देना चाहिए। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना और सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर प्रदान करना चुनाव आयोग का काम है। अगर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी अपनी पार्टी के सदस्यों की पिटाई की शिकायत करती हैं तो चुनाव आयोग को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही आतिशी को दिल्ली पुलिस से भी शिकायत करनी चाहिए, क्योंकि यह कानून-व्यवस्था का भी मामला है।

महाकुंभ के नाम पर हो रहा भ्रष्टाचार : अजय राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय एवं सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर महाकुंभ में अव्यवस्था होने का आरोप लगाया। कहा कि महाकुंभ के नाम पर आवंटित बजट में भ्रष्टाचार हो रहा है।

उन्होंने मांग की कि मौनी अमावस्या पर होने वाले स्नान से पहले सरकार सभी तैयारी पूरी करे। तीन फरवरी के बाद कांग्रेस नेता महाकुंभ में डुबकी लगाने जाएंगे।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि महाकुंभ में आग लगने के बाद सांसद उज्जवल रमण सिंह के नेतृत्व में पार्टी का प्रतिनिधि मंडल मौके पर गया था। महाकुंभ में श्रद्धालुओं और साधु संतों को बदइंतजामी का सामना करना पड़ रहा है। डॉ. मनीष श्रीवास्तव, अंशू अवस्थी , प्रियंका गुप्ता, सचिन रावत, सुधा मिश्रा मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यालय में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती मनाई गई।

पूर्व विधायक सुभाष पासी गिरफ्तार

» मंत्री नितिन अग्रवाल की बहन के साथ धोखाधड़ी का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल की बहन समेत दो लोगों से धोखाधड़ी और गैंगस्टर एक्ट में आरोपी गाजीपुर के पूर्व विधायक सुभाष पासी को हरदोई पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया है।

शहर कोतवाली क्षेत्र के रेलवे गंज निवासी प्रकाश चंद्र गुप्ता ने 10 अक्टूबर 2023 को एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि गाजीपुर निवासी सुभाष पासी, जो मुंबई के जुहू चर्च बलराज साहनी रोड पर रहते हैं, से उनकी मुलाकात पड़ोसी अक्षय अग्रवाल के जरिए हुई थी। पासी ने बताया कि वह प्रॉपर्टी का काम करते हैं और मुंबई के आरामनगर में फ्लैट होने की बात कहते हुए उसे ढाई करोड़ रुपये में खरीदवाने का ऑफर दिया था।

बीजेपी से लड़ा था पिछला चुनाव

आखिरकार, कोतवाली देहात पुलिस ने सुभाष पासी को उसके मुंबई स्थित आवास से गिरफ्तार किया और हरदोई लाकर अदालत में पेश करने जा रही है। सुभाष पासी गाजीपुर जनपद के सैदपुर विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक रहे हैं। वर्ष 2012 और 2017 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर सैदपुर सीट से विधायक चुने गए थे, लेकिन वर्ष 2022 का चुनाव उन्होंने भाजपा के टिकट पर लड़ा और हार गए।

रूपये निकाल लिये लेकिन फ्लैट नहीं दिया

रुचि गोयल जोकि प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल की बहन हैं। वहां कई लोगों की मौजूदगी में रुचि गोयल ने 49 लाख रुपये का चेक सुभाष और उनकी पत्नी रीना को दे दिया। रीना ने अपने अकाउंट में चेक जमा कर रुपये निकाल लिए, लेकिन फ्लैट रुचि गोयल को नहीं दिया। बाद में जब प्रकाश मुंबई में उनसे मिलने गए, तो उन्होंने फर्जी दस्तावेज दे दिए।इसके अलावा, रेलवेगंज निवासी अक्षय अग्रवाल ने भी 9 अगस्त 2023 को सुभाष और रीना पासी के खिलाफ 49 लाख रुपये हड़पने और फर्जीवाड़ा करने का मामला दर्ज कराया था। दोनों मामलों में चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की गई थी। इसके बाद, तत्कालीन शहर कोतवाल संजय पांडेय ने 31 जनवरी 2024 को दंपती के खिलाफ गैंग्स्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। तब से पुलिस दोनों की तलाश कर रही थी।

दिल्ली कांग्रेस ने लांच किया 'होगी हर जरूरत पूरी, कांग्रेस है जरूरी' थीम सॉन्ग

» पूरी ताकत से चुनाव लड़ने की बात कही

» इस दौरान कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक भी रहीं मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूरी ताकत झोंकती हुई नजर आ रही है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस का थीम सान्ग लॉन्च किया।

इस दौरान कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक भी मौजूद रही। लॉन्च के दौरान कांग्रेस नेता थीम सॉन्ग पर नाचते हुए नजर आए।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कांग्रेस नेताओं के साथ आज दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी का थीम सॉन्ग लॉन्च किया। देवेंद्र यादव, अध्यक्ष, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी-का दावा है कि यह थीम सॉन्ग न केवल चुनाव कैंपेन के लिए है बल्कि बल्कि हर दिल्लीवासी को कांग्रेस के नेतृत्व में एक बेहतर भविष्य की उम्मीद भी बंधाता है।

कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने कहा,चाहे भारत जोड़ो यात्रा का थीम सॉन्ग हो, दिल्ली न्याय यात्रा का थीम सॉन्ग हो या दिल्ली विधानसभा चुनाव का थीम सॉन्ग हो, यह दिल जीतने वाला है।

महाराष्ट्र में फिर तेज हुई सियासी हलचल

फडणवीस सरकार के पालक मंत्री की नियुक्ति पर गहराया विवाद, शिंदे नाराज होकर गांव पहुंचे, मनाने में जुटी भाजपा

शिंदे और बीजेपी के बीच टकराव बढ़ेगा

» भाजपा एकनाथ शिंदे के साथ वही करने वाली है जो डेढ़ साल पहले उद्धव ठाकरे के साथ शिंदे ने किया था

» 20 विधायकों के साथ शिंदे की पार्टी में दोफाड़ करने वाले हैं उन्हीं की पार्टी के उदय सावंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में जारी सियासी हलचल के बीच अब महाराष्ट्र में सियासत गरमाई हुई है और राजनीतिक हलचल काफी तेज है। दरअसल, महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सरकार द्वारा पालक मंत्री की नियुक्ति (प्रभारी) करने के मामले पर विवाद गहराता जा रहा है। इसको लेकर अब महायुति में टकराव और भी तेज होता जा रहा है क्योंकि रायगढ़ और नासिक में पालक मंत्री की नियुक्ति से एकनाथ शिंदे की नाराजगी सातवें आसमान पर बढ़ती जा रही है और अब तो आलम ये हो गया है कि एकनाथ शिंदे नाराज होकर एक बार फिर अपने गांव सतारा चले गए हैं।

शिंदे की नाराजगी को बढ़ता देख खुद बीजेपी महाराष्ट्र अध्यक्ष और प्रदेश बीजेपी के बड़े नेता शिंदे को मनाने उनके गांव पहुंच गए। तो वहीं दूसरी ओर देवेंद्र फडणवीस को विदेश में बैठे-बैठे ही नासिक और रायगढ़ में पालक मंत्री की नियुक्ति को भी रद्द करना पड़ा है। यानी महायुति में टकराव लगातार बढ़ता दिख रहा है और सरकार पर संकट दिख रहा है, लेकिन इससे भी बड़ा खेला बीजेपी एकनाथ शिंदे के साथ करती दिख रही है, इस बीच असल खेल ये है कि शिंदे की नाराजगी का फायदा उठाते हुए भाजपा महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के साथ वो ही करने की प्लानिंग कर रही है जो डेढ़ साल पहले एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के साथ किया था और पार्टी में तोड़ करके खुद मुख्यमंत्री बन गए थे, क्योंकि एकनाथ शिंदे की नाराजगी के बीच अब ये खबरें आ रही हैं कि शिंदे की शिवसेना के नेता उदय सावंत पार्टी के 20 विधायकों को लेकर पार्टी में फिर से दोफाड़ करने वाले हैं।

दरअसल, ये पूरा सिलसिला तब शुरू हुआ जब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जिलों के संरक्षक बनाने के लिए पालक मंत्रियों की नियुक्ति करनी शुरू की। इस दौरान एकनाथ शिंदे ने नासिक और रायगढ़ में अपने पालक मंत्री बनाने की बात कही लेकिन सीएम फडणवीस ने एकनाथ शिंदे की मांग को दरकिनार करते हुए नासिक में बीजेपी के गिरीश महाजन और रायगढ़ में एनसीपी अजित पवार की विधायक अदिति तटकरे को पालक मंत्री बना दिया, जिसके बाद एकनाथ शिंदे नाराज हो गए और वो हमेशा की तरह एक बार फिर नाराज होकर अपने गांव सतारा चले गए, शिंदे की नाराजगी के बाद महायुति विवाद बढ़ता गया और शिंदे की पार्टी के अंदर भी इस फैसले और पार्टी के अपमान को लेकर नाराजगी बढ़ती गई, आलम ये हो गया कि पार्टी के अंदर से ही ऐसी आवाजें उठने लगीं कि पार्टी नेता उदय सावंत विधायकों को लामबंद करने में लगे हैं, वहीं दूसरी ओर शिंदे की नाराजगी को बढ़ता देख मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को विदेश में बैठे-बैठे नासिक और रायगढ़ के पालक मंत्रियों की नियुक्ति को रद्द करना पड़ा और उधर दूसरी ओर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और गिरीश महाजन शिंदे के गांव सतारा पहुंच गए जहां उन्होंने एकनाथ शिंदे से बातचीत की है, लेकिन गिरीश महाजन जैसे देवेंद्र फडणवीस के विश्वास पत्र की पालक मंत्री के पद पर नियुक्ति को रद्द करना महाराष्ट्र में बड़े सियासी हलचल का इशारा करती है अपने फैसलों पर अडिग रहने वाले देवेंद्र फडणवीस का अचानक विदेश में होने के बाद भी अपने फैसले को बदलना और पालक मंत्रियों के नियुक्ति को रद्द करना ये दिखाता है कि शिंदे और बीजेपी के बीच टकराव कितना बढ़ चुका है और शिंदे की नाराजगी कितनी बड़ी है, उसके बाद बीजेपी को दो दिग्गज नेताओं का एकनाथ शिंदे से मिलने उनके घर पहुंचना और उन्हें मनाने की कोशिश करने पहुंचे।

जिला प्रभारी मंत्री पद विवाद पर मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री करेंगे फैसला : तटकरे

महाराष्ट्र की मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता अदिति तटकरे ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति के शीर्ष नेता जिला प्रभारी मंत्री को लेकर चल रहे विवाद पर निर्णय लेंगे। रायगढ़ की जिला प्रभारी मंत्री के रूप में अदिति तटकरे और नासिक के लिए गिरीश महाजन की नियुक्ति को रोक दिया गया है क्योंकि इन पदों पर दावेदारी को लेकर विवाद सामने आया है। शिवसेना मंत्री भरत गोगावले द्वारा अदिति तटकरे की नियुक्ति का विरोध किए जाने से जुड़ी खबरों के बारे में पूछे जाने पर अदिति ने कहा, हम एकनाथ शिंदे पर भरोसा करते हैं और आशा करते हैं कि वे उचित निर्णय लेंगे। रायगढ़ से गोगावले ने बार-बार इस पद में अपनी रुचि जताई है। नासिक में भी स्थानीय शिवसेना नेता जिला प्रभारी मंत्री पद पर अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं। महाराष्ट्र में, मंत्रियों को उनके विभिन्न विभागों के अलावा एक-एक जिला आवंटित किया जाता है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति ने कहा, अपनी इच्छा व्यक्त करना कोई समस्या नहीं है, लेकिन सवाल यह है कि इसे किस तरह व्यक्त किया जाए। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार व एकनाथ शिंदे जो भी निर्णय लेंगे, वह हम सभी के लिए बाध्य होगा। गठबंधन में आपसी समझ होना जरूरी है। अदिति और उनके पिता एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राज्य प्रमुख सुनील तटकरे की रायगढ़ पर अपनी पकड़ बनाये रखने को लेकर आलोचना हो रही है। इस बारे में पूछे जाने पर अदिति ने कहा, "हम क्षेत्र के निर्वाचित प्रतिनिधि हैं।" उन्होंने कहा कि कोंकण के पांच जनप्रतिनिधियों को राज्य मंत्रिमंडल में स्थान दिया गया है जिससे पता चलता है कि सरकार तटवर्ती क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है।

राउत का दावा-शिंदे गुट में हो रहा नए नेता का उदय

महाराष्ट्र में विपक्ष ने परोक्ष रूप से संकेत दिया कि राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत को भाजपा द्वारा शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे की जगह लेने के लिए तैयार किया जा रहा है। उदय सामंत सीएम देवेंद्र फडणवीस के साथ दावोस गए हैं। यह दावा करते हुए कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि भाजपा ने शिवसेना में शिंदे के नेतृत्व को खत्म करने का फैसला किया है। वडेट्टीवार ने कहा कि बीजेपी को अब शिंदे से कोई मतलब नहीं है। जैसे उन्होंने (बीजेपी) उद्धव ठाकरे को किनारे कर दिया और शिंदे को आगे कर दिया, उसी तरह अब एक नए उदय को आगे किया जाएगा। हालांकि उन्होंने सामंत का नाम नहीं लिया, लेकिन यूबीटी सेना नेता संजय राउत आगे बढ़े और शिंदे को चुनौती देने वाले के रूप में सामंत का नाम लिया। राउत ने कहा कि भाजपा का काम अपने फायदे के लिए राजनीतिक दलों को खत्म करना है। सामंत को सीएम दावोस ले गए हैं। मुझे जानकारी है कि उनके (सामंत) के साथ 20 विधायक हैं। दरअसल, जब शिंदे सीएम पद के लिए नजरअंदाज किए जाने से नाराज थे तो बीजेपी की योजना सामंत के साथ जाने की थी। लेकिन, समय रहते शिंदे को इसकी भनक लग गई। ालांकि, सामंत ने दावोस से एक बयान जारी कर दावों को खारिज कर दिया और कहा कि यह शिंदे और उनके बीच कलह पैदा करने का एक प्रयास था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य विनिर्माण से लेकर प्रौद्योगिकी, डेटा सेंटर, स्वास्थ्य सेवा से लेकर स्वच्छ ऊर्जा तक सभी क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए समग्र दृष्टिकोण से काम कर रहा है। फडणवीस विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में हिस्सा लेने इस स्की रिसॉर्ट शहर पहुंचे भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं।

संजय राउत दोहरा रहे हैं, पवार मोदी को बुला रहे हैं

कुछ दिन पहले राकांपा (सपा) प्रमुख शरद पवार के निमंत्रण के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मराठी साहित्य महोत्सव, अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। यह घटनाक्रम इंडिया ब्लॉक के सदस्यों के बीच दरार के बीच आया है, जो शिवसेना (यूबीटी) द्वारा महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले की घोषणा के बाद शुरू हुई थी। दिल्ली के बाद महाराष्ट्र में इंडिया ब्लॉक टूटने की कगार पर नजर आ रहा है। शरद पवार ने साफ कर दिया था कि ये अलायंस तो लोकसभा चुनाव के लिए बना था और लोकल इलेक्शन को लेकर इसमें कोई बात नहीं हुई थी। अगर स्थानीय निकाय के चुनाव सभी पार्टियां अलग अलग लड़ें तो कोई हैरानी की बात नहीं है। इसमें पहले उद्धव ठाकरे ने लोकल बॉडी इलेक्शन अकेले लड़ने का ऐलान किया है। वहीं शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने गठबंधन को लेकर बड़ा बयान देते हुए कह दिया कि अगर उसके सहयोगियों के बीच बातचीत बंद हो जाती है तो कोई भी गठबंधन सफल नहीं हो सकता। यानी महाविकास अघाड़ी इन दिनों एकला चलो रे की राह पर चल रही है। वहीं अब खबर है कि शरद पवार ने पीएम मोदी को आमंत्रण भेजा है। राकांपा (सपा) प्रमुख शरद पवार के निमंत्रण के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मराठी साहित्य महोत्सव, अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। यह घटनाक्रम इंडिया ब्लॉक के सदस्यों के बीच दरार के बीच आया है, जो शिवसेना (यूबीटी) द्वारा महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले की घोषणा के बाद शुरू हुई थी। इससे पहले दिसंबर 2024 में शरद पवार ने दो किसानों के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की थी और उन्हें महाराष्ट्र के अनार तोहफे में दिए थे। सूत्रों के मुताबिक, उस बैठक में प्रधानमंत्री को पवार की ओर से औपचारिक निमंत्रण दिया गया था। 98वां मराठी साहित्य सम्मेलन 21 से 23 फरवरी, 2025 के बीच दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाला है। प्रमुख मराठी साहित्यिक कार्यक्रम के उद्घाटन के इस निमंत्रण को अनिवार्य रूप से मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए केंद्र के प्रति आभार व्यक्त करने के संकेत के रूप में देखा गया था। सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री को अपने निमंत्रण में, पवार ने कहा था कि यह पहली बार है कि सम्मेलन (बैठक) दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है और याद दिलाया कि कार्यक्रम के 37 वें संस्करण का उद्घाटन पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने किया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गांधी के विचार से दुनिया में शांति होगी साकार

आजकल दुनिया में कई जगह युद्ध हो रहे हैं। हालांकि इसरायल-फलीस्तीन के बीच सहमति की कुछ बातें सामने आ रही हैं जो मानवता के लिए जरूरी है। विश्व में शांति बढ़ाने में भारत के भगवान बुद्ध व महात्मा गांधी की विचारधारा कारगर साबित हो सकती है। कभी-कभी खबरों में ये सुनने में आता है कि कुछ देश भारत के विचारों के आधार पर दुनिया को चलाने की वकालत करने लगे हैं। गांधी जी की लिखी किताबें-'द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद टुथ' और 'हिंद स्वराज' - को विवेचनात्मक समझ के साथ पढ़कर, उनके विश्व-दृष्टिकोण को समझने की कोशिश की जाए तो विरोधाभास खड़ा हो जाता है। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसकी कठोर हकीकत पर सावधानीपूर्वक नजर डालने से कह सकते हैं कि गांधी की भावना नकारी जा रही है। राजनीतिक अर्थव्यवस्था से लेकर संस्कृति एवं शिक्षा के क्षेत्रों तक में। फिर भी, इस तमाम नकारात्मकता के बावजूद,यकीन है कि जख्मी हुई इस दुनिया को बचाने और ठीक करने के लिए हमें उनके विचार के साथ गंभीर जुड़ाव बनाने की आवश्यकता है। अति-आधुनिक/परम-राष्ट्रवादी काल में हमारी सामूहिक नियति पर नजर डाले तो लगता है कि 'बढ़िया जीवनशैली' के मोहपाश में फंसकर हम अपनी पहचान को मुख्यत: बाजार-संचालित प्रचार से बहकाए गए बेलगाम उपभोक्तावाद और विशिष्टतावादी अहसास (जो चीज मेरे पास है वह किसी अन्य के पास नहीं) के खुमार में धुत्त एक अतिवादी योद्धा के रूप में परिवर्तित करते जा रहे हैं। जैसे-जैसे हम अनवरत उपभोग के सिद्धांत को आत्मसात करने लगे हैं - जो कि नवउदारवादी बाजार के मूल सिद्धांत का एक तार्किक हश्र है - हमारी जरूरतें बढ़ती जा रही हैं। हमारे अतृप्त लालच (अधिक कारें, अधिक उपकरण, अधिक खपत, अधिक बिजली, अधिक जीवाश्म ईंधन का धुआं, अधिक वनों की कटाई और इस तरह अधिक कार्बन उत्सर्जन) पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसी तरह, जैसे-जैसे हम अधिक से अधिक परम-राष्ट्रवादी होते जा रहे हैं, हम दुनिया को और ज्यादा विभाजनों और खंडों में बांट रहे हैं। देखा जाए तो, खुद को हिंदू बनाम मुस्लिम या भारत बनाम पाकिस्तान या फिर इस्राइल बनाम फलस्तीन के संकीर्ण पालों से मुक्त रखना बेहद मुश्किल हो जाता है। हां, हम खुद को उस स्थिति में पाते हैं, जिसकी संज्ञा कई सामाजिक वैज्ञानिक 'जोखिमजदा समाज' के रूप में करते हैं-एक ऐसा समाज जो युद्ध, सैन्यवाद, आतंकवाद, अधिनायकवाद, और सबसे अधिक, जलवायु आपातकाल से त्रस्त है। कोई शक नहीं, इस दुनिया में गांधीवादी भावना का जरा नामो-निशान बाकी नहीं है।

"विश्व में शांति बढ़ाने में भारत के भगवान बुद्ध व महात्मा गांधी की विचारधारा कारगर साबित हो सकती है। कभी-कभी खबरों में ये सुनने में आता है कि कुछ देश भारत के विचारों के आधार पर दुनिया को चलाने की वकालत करने लगे हैं। गांधी जी की लिखी किताबें-'द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद टुथ' और 'हिंद स्वराज'- को विवेचनात्मक समझ के साथ पढ़कर, उनके विश्व-दृष्टिकोण को समझने की कोशिश की जाए तो विरोधाभास खड़ा हो जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तोल-मोल बिन बोल से 'सेल्फ गोल'

विश्वनाथ सचदेव

अंग्रेजी का शब्द है 'सेल्फ गोल' यानी अपने हाथों अपनी हार। आजकल यह शब्द कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के साथ जुड़ा हुआ है। कुछ ही दिन पहले अपनी ही पार्टी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा था, हमारी लड़ाई भाजपा से, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से है। यहां तक तो बात ठीक थी, पर राहुल गांधी यहीं नहीं रुके- पता नहीं क्या सोचकर उन्होंने आगे कहा, हमारी लड़ाई 'इंडियन स्टेट' से है। सत्तारूढ़ दल भाजपा की जैसे कोई मनचाही मुराद पूरी हो गयी। उसने राहुल गांधी की इस 'तीसरी लड़ाई' को मुद्दा बना लिया। भाजपा के नेता-प्रवक्ता तो जैसे राहुल गांधी और कांग्रेस के पीछे ही पड़ गये। इंडियन स्टेट से लड़ाई को उन्होंने राष्ट्र के साथ खिलवाड़ निरूपित कर दिया और घोषणा कर दी कि राहुल भारत विरोधी ताकतों के इशारों पर नाच रहे हैं। क्या सचमुच ऐसी बात है? क्या सचमुच स्टेट का मतलब राष्ट्र होता है? राहुल गांधी जब इंडियन स्टेट से लड़ाई की बात कह रहे थे तो क्या सचमुच उनके दिमाग में भारत राष्ट्र से लड़ाई की बात थी?

राहुल गांधी की इस बात को, आइए पूरे संदर्भ में समझने की कोशिश करें। भाजपा, आरएसएस से लड़ाई लड़ने की बात करते हुए जब उन्होंने इंडियन स्टेट को भी जोड़ा तो स्पष्ट था कि वे शासन के विभिन्न संस्थानों पर भाजपा और संघ के वर्चस्व के संदर्भ में बात कह रहे थे। 'स्टेट' से उनका मतलब चुनाव आयोग, सीबीआई जैसी लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं जिन पर भाजपा के कब्जे की बात राहुल गांधी ने कही है। यह मामला बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है। इसे लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई हैं जिनमें कहा गया है कि राहुल गांधी ने भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने का काम किया है। राहुल के इस बयान को संज्ञेय और गैर-जमानती काम भी बताया गया है।

राहुल गांधी तो इस मामले में लगभग चुप हैं, पर कांग्रेस पार्टी भाजपा और आरएसएस के इरादों पर ज़ोर-शोर से हमले कर रही है। कांग्रेस समेत राहुल गांधी का बचाव करने वालों का कहना है कि स्टेट का मतलब राष्ट्र नहीं होता। जब राहुल स्टेट के खिलाफ लड़ाई की बात

कहते हैं तो उनका मतलब उन संस्थाओं के खिलाफ लड़ना है जो भारतीय जनता पार्टी के इशारों पर काम करती हैं। कांग्रेस इसे तार्किक मानती है। यदि स्टेट के खिलाफ लड़ने का मतलब राष्ट्र के खिलाफ लड़ाई है तो वे सब राष्ट्र-द्रोही कहलायेंगे जो न्यायालयों में सरकारी आदेशों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। सारे मामले अभियुक्त बनाम स्टेट ही होते हैं। यहां स्टेट का मतलब शासन-तंत्र है, राष्ट्र नहीं। हां, यह अवश्य हकीकत है कि सामान्य काम-काज, बातचीत में जब हम स्टेट कहते हैं तो इसका अर्थ सरकार ही समझा जाता है। पर इस बात को नजरंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए कि सरकार का अर्थ राष्ट्र नहीं होता है। भारत राष्ट्र-राज्य और भारत सरकार के बीच के अंतर को समझना ज़रूरी है और अक्सर इस अंतर को समझा नहीं जाता।

बहरहाल, हमारे राजनेताओं को यह बात समझनी होगी कि अपनी कथनी और करनी में उन्हें सावधानी बरतने की आवश्यकता है। राहुल गांधी जब स्टेट से लड़ाई की बात करते हैं तो इस बात की पूरी संभावना है कि आम नागरिक लड़ाई को देश के विरुद्ध ही समझे। भले ही यह समझ गलत हो, पर इसका हर्जाना तो भरना ही पड़ता है। राहुल गांधी पहले भी इस तरह के हर्जाने भर चुके हैं, इसलिए उन्हें और अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। राजनीति में, और अन्यत्र भी, विरोधी ऐसी भूलों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। और अक्सर इन भूलों की वे भारी कीमत चुकानी पड़ती है। यह बात अभी लोग नहीं भूले होंगे कि कांग्रेस के एक नेता ने प्रधानमंत्री मोदी के संदर्भ में 'नीची जाति' की जगह 'नीच जाति' बोल दिया था, और तब कांग्रेस को चुनाव में इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। सम्बधित नेता दक्षिण भारत के थे और हिंदी बोलने में उन्हें कठिनाई आनी स्वाभाविक थी। विरोधियों ने उनकी इस कमज़ोरी का पूरा लाभ उठाया था। राजनीति के मैदान में असावधानी और कमज़ोरी में कोई विशेष अंतर नहीं होता। इस तरह की भूलें ही 'सेल्फ गोल' की भूमिका निभाती हैं। ऐसा ही कारनामा नेता प्रतिपक्ष ने तब भी किया था जब उन्होंने भारत में प्रजातंत्र की मृत्यु की बात कही थी। जनतांत्रिक संस्थानों को कमज़ोर किये जाने को प्रजातंत्र की मृत्यु नहीं कहा जा सकता।

हर बेटी के सपनों को उड़ान देने का दिन

प्रो. आर.के. जैन 'अरिजीत'

बालिकाओं के सपनों को पंख देने के लिए, एक नई ऊर्जा के साथ हर वर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है राष्ट्रीय बालिका दिवस। यह दिन समाज को याद दिलाता है कि बालिकाएं न केवल भविष्य की निर्माता हैं, बल्कि वर्तमान की शक्ति भी हैं। उनके अधिकारों और सशक्तीकरण की ओर उठाए गए कदमों को स्मरण करते हुए, हमें सुनिश्चित करना होगा कि वे हर क्षेत्र में अपना पूर्ण विकास कर सकें। वर्ष 2025 की थीम 'सपनों की उड़ान' बालिकाओं के लिए नए आयाम' इंगित करती है कि अब समय आ गया है जब हम बालिकाओं को उनके सपनों की ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक मंच और अवसर प्रदान करें। राष्ट्रीय बालिका दिवस का गौरवशाली इतिहास हमें 2008 की ओर ले जाता है, जब महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इसे पहली बार मनाने का साहसिक कदम उठाया। 24 जनवरी को इस दिन को मनाने का निर्णय इसलिए हुआ क्योंकि इसी दिन 1966 में इंदिरा गांधी ने भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। यह दिन नारी शक्ति का सम्मान और उनकी असीम संभावनाओं को मान्यता देने का प्रतीक बन गया है।

इंदिरा गांधी का नेतृत्व यह साबित करता है कि महिलाएं, जब उन्हें सही अवसर मिले, तो वे हर क्षेत्र में विजय पताका फहरा सकती हैं। आज भी, बालिकाओं की स्थिति में परिवर्तन देखने को मिला है, लेकिन चुनौतियां अभी भी हिम्मत के साथ खड़ी हैं। बाल विवाह, लिंग भेदभाव और शिक्षा में असमानता जैसी समस्याएं देश के अनेक कोनों में अपनी जड़ें मजबूती से जमाए हुए हैं। इन कठिनाइयों से मुकाबला करने के लिए सरकारी योजनाओं के साथ-साथ समाज के सामूहिक संकल्प का विशेष महत्व है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों ने बालिकाओं की शिक्षा की अहमियत को जन-जन तक पहुंचाया है और उनके अधिकारों के प्रति सचेतनता बढ़ाई है। ये प्रयास हमें याद दिलाते हैं कि बालिकाओं को सशक्त बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है, जिससे एक समतामूलक और शिक्षित समाज की नींव रखी जा सके।

बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलंबन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए देश के अनेक क्षेत्रों में जोरदार प्रयास हो रहे हैं। शिक्षा के साथ-साथ खेल, विज्ञान, और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चल रहे हैं। इन प्रयासों के फलस्वरूप, कई बालिकाएं खेल, विज्ञान और कला में अद्भुत सफलताएं हासिल कर रही हैं, जो उनके लिए नए अवसरों की सीढ़ियां खोल रही हैं। वर्ष 2025 की थीम 'सपनों की उड़ान' हमें स्मरण कराती है कि केवल अवसर देना ही पर्याप्त नहीं है; हमें ऐसा वातावरण भी निर्मित करना होगा जहां बालिकाएं अपने विचारों और क्षमताओं को निर्भीकता से व्यक्त कर सकें। ऐसा माहौल उन्हें आत्मनिर्भर बनने और अपने जीवन की दिशा स्वयं चुनने का अधिकार देता है। आज के समाज में बदलाव की तेज हवा बह रही है। बालिकाओं के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के अवसरों में विस्तार हुआ है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित के क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इन पहलों से यह स्पष्ट होता है कि बालिकाएं हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ सकती हैं, बस जरूरत है उन्हें सही समर्थन और मार्गदर्शन की। मगर, यह भी सच है कि बालिकाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा जैसी समस्याओं से निपटना समाज के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है। जब तक हम इन चुनौतियों से मिलकर नहीं लड़ेंगे, तब तक बालिकाओं के सशक्तीकरण का स्वप्न अधूरा ही रहेगा। दरअसल, राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें एक ऐसा संकल्प लेने का मौका देता है जहां हर बालिका अपने सपनों को पंख लगाकर उड़ान भर सके, आजादी और सुरक्षा के साथ। इस दिन का महत्व महज उत्सव मनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें बालिकाओं के लिए एक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। बालिकाओं की उड़ान को सही दिशा देने के लिए हमें अपना योगदान देना होगा, ताकि उनका हर सपना हकीकत बन सके।

जब बालिकाएं अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ती हैं, तो वे न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। उनकी सपनों की उड़ान समाज की प्रगति की ओर एक बड़ा कदम है, जो हमें याद दिलाती है कि जब एक बालिका सशक्त होती है, तो पूरा समाज सशक्त होता है। राष्ट्रीय बालिका दिवस हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है, जो हमें बालिकाओं को उनके सपनों की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करने का मौका देता है। इस दिन, हम शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समानता के क्षेत्रों में प्रगति के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लेते हैं। हमारा उद्देश्य एक ऐसा समाज बनाना है, जहां हर बालिका सुरक्षित महसूस करे, जहां उनकी प्रतिभा का सम्मान हो, और जहां वे सशक्त होकर अपने सपनों की राह पर निर्भीकता से चल सकें। इसके लिए हमें एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जिसमें बालिकाएं अपने विचारों और क्षमताओं को निर्भीकता से व्यक्त कर सकें, चाहे वह खेल, कला, विज्ञान या अन्य कोई क्षेत्र हो। केवल इसी प्रकार का वातावरण उनके सपनों को साकार करने की दिशा में सार्थक योगदान दे सकता है। इसके अलावा, हमें उन्हें वह समर्थन और संसाधन प्रदान करने होंगे, जो उनके भविष्य को संवारने के लिए आवश्यक हैं।

जापान की इन जगहों पर जाएं घूमने दिल हो जायेगा तरोताजा

डिजनीलैंड

बच्चों को मस्ती कराने के लिए जापान टोक्यो का डिजनीलैंड सबसे बेस्ट है। बच्चों के साथ बड़े बी यहां स्विमिंग और बीच पर घूमने का मजा ले सकते हैं। इसके अलावा आप यहां सिंड्रेला कैस्टल, नदी में जोंडालैस, मेजिकल नाइट टाइम इल्युमिनेशन और फेमस डिज्नी परेड का नजारा लें सकते है।

आप जब घूमने की प्लानिंग करते हैं, तो किस तरह की जगह चुनना पसंद करते हैं? कहने का मतलब है कि आपको समुंद्र का किनारा ज्यादा पसंद है या फिर ऊंचे पहाड़ों का नजारा? शायद इस सवाल का जवाब आप कई बार दे चुके होंगे। कई बार हमारा मूड पहाड़ों में शांति के पल बिताने का होता है, तो कई बार समुद्र के किनारे ही सुकून मिलता है। पानी की लहरें जब आपके पैरों को छूकर निकलती हैं, तो आप भागदौड़ भरी जिंदगी को बिल्कुल भूल जाते हैं। वहीं, बर्फ से ढके पहाड़ आपके दिल को तरोताज़ा कर देते हैं।

होक्काइडो बीच

पिछले साल, समुद्र के किनारे की एक खूबसूरत तस्वीर खूब वायरल हुई थी, जहां एक व्यक्ति समुद्र की रेत पर चल रहा था, लेकिन दूसरी तरफ बर्फ का पहाड़ भी था। जी हां, यह एक ऐसी जगह है, जहां पहाड़ भी हैं और समुद्र भी। इस जगह का नाम है होक्काइडो बीच, जो जापान में है। हिसा नाम के एक फोटोग्राफर ने इस तस्वीर को पिछले साल इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। ऑनलाइन यूजर्स की मानें, तो यह तस्वीर यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क की है। जो जापान के पश्चिमी हिस्से में है। यह टोटोरी में पश्चिमी हाकोतो कैगन तट से क्योटो में पूर्वी क्योगामिसाकी केप तक लंबा है। इस बीच पर आप समुद्र के किनारे, रेत, पहाड़ और बर्फ, सभी चीजों का मजा ले सकते हैं। इन अद्भुत नजारों की वजह से जापान की यह जगह ट्रेवल प्रेमियों की बकेट लिस्ट में जरूर होती है।

कवाजुजाकुरा

कवाजुजाकुरा एक खास तरह का चेरी ब्लॉसम फूल है, जिसे शिजॉका प्रांत के कवाजु क्षेत्र में देखा जा सकता है। इसे जल्दी खिलने वाले चेरी ब्लॉसम के रूप में जाना जाता है, और इसके खूबसूरत फूल फरवरी की शुरुआत से खिलने लगते हैं। इस फूल की पंखुड़ियां बड़ी होती हैं, जिनका रंग गहरा गुलाबी होता है। यहां नदि के किनारे करीब 800 चेरी ब्लॉसम पेड़ हैं, जो इस मौसम में खिलते हैं।

इसुमी रेलवे

इसुमी रेलवे एक 26.8 किमी लंबी रेलवे लाइन है, जो चिबा प्रान्त में बोसो प्रायद्वीप के पूर्व भाग में स्थित है। 1988 में अपने उद्घाटन के बाद से, यह ओहारा स्टेशन को कजुसा नाकानो स्टेशन से जोड़ता है, जिसकी यात्रा बेहद शांतिपूर्ण है। इस सफर में आप सुंदर ग्रामीण इलाकों के परिदृश्य को देखने का आनंद उठा सकते हैं। हालांकि, इस ट्रेन का सफर लोग इस खूबसूरत नजारों को देखने के लिए ही करते हैं।

हुईस टेन बॉश

हुईस टेन बॉश जापान का सबसे पॉपुलर थीम पार्क है। यह नागासाकी प्रांत के क्यूशू क्षेत्र में स्थित है, जहां हर साल लगभग 3 मिलियन सैलानी आते हैं। यहां की इमारतें पश्चिमी शैली की बनी हैं, 17वीं शताब्दी में नीदरलैंड्स के शहरी परिदृश्य पर आधारित हैं। पार्क के नाम का अर्थ डच में जंगल का घर है। पार्क के बीचोबीच 8 किमी लंबी एक नदी बहती है, जिसके किनारे घर और अन्य इमारतें बनी हैं। वसंत में यह पार्क खूबसूरक फूलों और पौधों से ढक जाता है।

माउंट फिजी

जापान की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है माउंट फिजी। दरअसल, यह जापान का सबसे ऊंचा पर्वत है और पर्वतारोहियों के लिए सबसे बेहतरीन जगहों में से एक माना जाता है। इसकी खूबसूरती देखने के लिए देश-विदेश से टूरिस्ट पहुंचते हैं। लगभग पूरी तरह से गोल, इसका सममित रूप लंबे समय से कविता और चित्रकला में मनाया जाता है। जापान का प्रतीक और प्रतीक, अक्सर बर्फ से ढके हुए माउंट फुजी, एक स्पष्ट दिन पर, पूर्व में 100 किलोमीटर दूर टोक्यो के रूप में दूर से देखा जा सकता है। का हिस्सा फूजी-हाकोन-इज़ू राष्ट्रीय उद्यान, माउंट फुजी पर्वत और आसपास के शहरों में हर साल दस लाख से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करता है।

हंसना मना है

बाप-बेटा अगर ससुराल वाले स्कूटर दे तो कार मांगना, कूलर दे तो एसी मांगना, लड़का - पापा अगर वो लड़की दे तो उसकी मां को भी मांग लूं क्या?

टीचर ने गधे के सामने 1 दारु की और 1 पानी की बाल्टी रखी, गधा पानी पी गया। टीचर- तुमने इस से क्या सिखा? स्टूडेंट- जो दारु नहीं पिता वह गधा होता है!

एक आदमी मेडिकल शॉप पर जहर लेने गया। आदमी- एक जहर की बोतल देना, दुकानदार- बिना पर्ची के जहर नहीं मिल सकता। आदमी ने शादी का कार्ड दिखाया.. दुकानदार- बस कर पगले, रुलाएगा क्या? बड़ी बोतल दूं या छोटी?

एक फैमिली शोले फिल्म देख कर अपने घर आयी। तभी पति ने पत्नी से, रोमांटिक अंदाज में कहा, नाच बसंती नाच.. तभी उनका छोटा बच्चा बोला, नहीं मम्मी ईस कुत्ते के सामने मत नाचना!

कहानी — सत्य का साथ

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान छात्र थे। उनके तेज दिमाग और प्रभावशाली बातों की वजह से सभी उनकी तरफ खींचे चले जाते थे। एक दिन स्कूल में भी स्वामी विवेकानंद अपने दोस्तों से बातें कर रहे थे। बातों-ही-बातों में स्वामी उन सबको एक कहानी सुनाने लगे। उनके दोस्तों को कहानी अच्छी लग रही थी, इसलिए सभी ध्यान से सुन रहे थे। विवेकानंद कहानी सुनाने में और उनके दोस्त उसे सुनने में इतना खो गए कि किसी को पता ही नहीं चला कि कब मास्टर जी क्लास में आ गए। मास्टर जी ने क्लास में आते ही बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। आगे बैठे बच्चे उन्हें ध्यान से सुन रहे थे कि कुछ ही देर में मास्टर जी के कानों तक विवेकानंद की हल्की आवाज पहुंची। उन्होंने ऊंची आवाज में पूछा कि कक्षा में कौन बातें कर रहा है? वहां मौजूद अन्य छात्रों ने विवेकानंद और उनके दोस्तों की ओर इशारा कर दिया। यह जानकर टीचर को गुस्सा आया। उन्होंने उन सभी को अपने पास बुलाया और पूछा कि मैं अभी क्या पढ़ा रहा था? कुछ सेकंड तक किसी से कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने हर बच्चे की तरफ देखते हुए सवाल पूछा। सबने अपनी नजरें झुका ली। तभी टीचर विवेकानंद के पास पहुंचे और कहा कि क्या तुम्हें पता है, मैं क्या पढ़ा रहा था? उन्होंने मास्टर को सही जवाब दे दिया। तब टीचर को लगा कि इन सब बच्चों में से सिर्फ विवेकानंद ही ध्यान से पढ़ रहे थे, दूसरे बच्चे नहीं। यह सोचते ही मास्टर ने स्वामी के अलावा अन्य छात्रों को अपने-अपने बेंच पर खड़े होने की सजा दे दी। सभी ने टीचर की बात मान ली और बेंच पर खड़े हो गए। कुछ ही देर में स्वामी विवेकानंद भी अपनी सीट में जाकर बेंच पर खड़े हो गए। स्वामी को बेंच पर खड़ा देखकर मास्टर ने कहा कि मैंने तुम्हें सजा नहीं दी है तुम बैठ जाओ। नजर झुकाते हुए विवेकानंद ने कहा, सर, मैंने ही इन सभी छात्रों को बातों में लगा रखा था। गलती मेरी ही है। सजा न मिलने पर भी स्वामी विवेकानंद द्वारा सच बोलने पर सभी छात्र काफी प्रभावित हुए।

कहानी से सीख: जीवन में हमेशा सच बोलना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

वृषभ बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा।

कर्क मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंह कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। कुसंगति से बचें।

कन्या धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा।

तुला धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

वृश्चिक किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

ईश्वर से पहले माता-पिता के पास जाता हूं : अभिषेक

साहित्य से लेकर सिनेमा तक बच्चन परिवार का अलग रुतबा है। अभिषेक बच्चन के दादा व कवि हरिवंश राय बच्चन ने साहित्य जगत में नई लकीर खींचीं तो पिता अभिताभ बच्चन ने अभिनय की दुनिया में इतिहास रचा है। हाल ही में जूनियर बच्चन ने परिवार से मिली रचनात्मक विरासत पर बात की। इस दौरान उन्होंने जिंदगी में परिवार के महत्व पर बात करते हुए कहा कि वे बहुत ज्यादा पारिवारिक हैं और उनके लिए माता-पिता ईश्वर से पहले आते हैं। अभिषेक बच्चन ने सीएनएन टीवी-18 को दिए इंटरव्यू में कहा कि उनके लिए माता-पिता भगवान के बराबर हैं। एक्टर से जब पूछा गया कि क्या वे धार्मिक हैं? इस पर उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं बहुत धार्मिक हूं या नहीं। भगवान के साथ मेरा रिश्ता है, लेकिन भगवान के पास जाने से पहले मैं अपने माता-पिता के पास जाता हूं। मुझे लगता है कि माता-पिता ही ऐसे पहले होने चाहिए, जिन पर आपको भरोसा करना चाहिए। मेरे लिए, वे भगवान के बराबर हैं। मैं जो कुछ भी हूं, अपने परिवार की वजह से हूं। मैं बहुत ज्यादा पारिवारिक इंसान हूं। मैं जो कुछ भी करता हूं वह अपने परिवार के लिए करता हूं और वे मेरे सबसे करीबी लोग हैं। अभिषेक का कहना है कि परिवार के विचार उनके लिए सबसे पहले मायने रखते हैं। एक्टर ने कहा, जब तक आप एक प्यार करने वाले, हमेशा साथ खड़े रहने वाले, स्वस्थ और खुशहाल परिवार के पास घर लौट सकते हैं, मेरे ख्याल से आप ठीक हैं। मेरे लिए परिवार की राय सबसे ऊपर है। अभिषेक ने अपनी विरासत और अपने सरनेम पर बात करते हुए कहा, मुझे अपने दादाजी से मिले सरनेम पर गर्व है। उन्होंने जो काम किया, उसकी वजह से हमें मिलने वाले प्यार और सम्मान की निरंतरा सुनिश्चित करने के लिए मैं काम करूंगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि मेरी बेटी और आगे आने वाली पीढ़ियां भी इस विरासत का सम्मान करेंगी। अभिषेक बच्चन ने कहा कि वे भी अपने पीछे कुछ ठोस और साकार छोड़कर जाना चाहते हैं। एक्टर ने कहा, मेरे दादा कवि थे। मेरे माता-पिता कलाकार हैं।

विश्व आर्थिक मंच की बैठक में विवेक ओबेरॉय ने बताया अपना अनुभव, बोले-

हर जगह भारत ही छाया हुआ है

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने भी शिरकत की।

बॉलीवुड | मसाला

अभिनेता विवेक ओबेरॉय विश्व आर्थिक मंच 2025 की बैठक में शामिल हुए। एक्टर ने हाल ही में डब्ल्यूईएफ 025 से सोशल मीडिया पर झलकियां साझा की हैं। साथ ही अपना अनुभव भी बताया। वे विश्व आर्थिक मंच की बैठक में शामिल होने के बाद गदगद हैं। एक्टर ने कहा कि इस मंच पर उन्हें कई मुख्यंत्रियों और राष्ट्रीय मंत्रियों से व्यवसायों के बारे में बातचीत करने का अनुभव मिला। विवेक ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की तस्वीरें भी शेयर की हैं। विवेक ओबेरॉय ने कहा, यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है... मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है, क्योंकि भारत हर जगह है और मुझे खुशी है कि मैं यहां कई मुख्यमंत्रियों और राष्ट्रीय मंत्रियों से भारत में उनके द्वारा किए जा रहे सभी व्यवसायों के बारे में बातचीत कर रहा हूं। हर जगह भारत ही भारत छाया हुआ है। कई फाउंडेशन का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात है। विवेक ओबेरॉय ने इंस्टाग्राम पर भी तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें वे महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के साथ नजर आ रहे हैं। एक्टर ने लिखा है, विश्व आर्थिक मंच के उद्घाटन के दिन इंडियन पैवेलियन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ शानदार चर्चा हुई। मुख्यमंत्री का वन नेशन वन वॉइस विजन वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। विवेक ओबेरॉय ने आगे लिखा, महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत, डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया, तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा और अन्य नेताओं से मिलने और उन्हें सुनने का अवसर मिला। यह वाकई एक प्रेरणादायक दिन रहा। विश्व आर्थिक मंच की बैठक में विवेक ओबेरॉय के अलावा

एयरफोर्स की वर्दी पहनना गर्व की बात: अक्षय कुमार

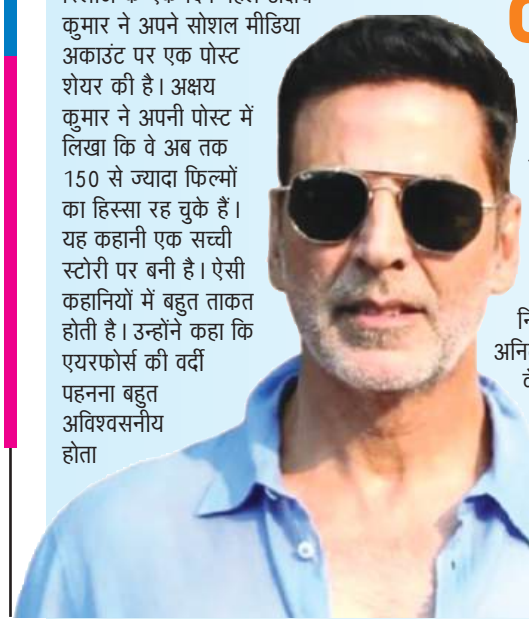

अभिनेता अक्षय कुमार जल्द ही अपनी फिल्म स्काई फोर्स में नजर आने वाले हैं। अक्षय की इस फिल्म को लेकर कई जगह प्रमोशन चल रहे हैं। अब फिल्म रिलीज के एक दिन पहले अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की है। अक्षय कुमार ने अपनी पोस्ट में लिखा कि वे अब तक 150 से ज्यादा फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। यह कहानी एक सच्ची स्टोरी पर बनी है। ऐसी कहानियों में बहुत ताकत होती है। उन्होंने कहा कि एयरफोर्स की वर्दी पहनना बहुत अविश्वसनीय होता है। साथ ही गर्व भी महसूस होता है। स्काई फोर्स सम्मान, साहस और देशभक्ति की कहानी है। इसे जरूर देखना चाहिए। फिल्म का निर्देशन अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी ने किया है। स्काई फोर्स 1965 के भारत पाकिस्तान हवाई युद्ध के दौरान पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर भारत जवाबी हमले की कहानी है। स्काई फोर्स 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में निमरत कौर और सारा अली खान भी नजर आने वाली हैं। फिल्म को लेकर वीर पहाड़िया ने कहा, यह एक बहुत ही गंभीर किरदार है। और मेरी एकमात्र इच्छा है कि यह लक्ष्य फिल्म की तरह काम करे... जब वह फिल्म आई थी, तो इसने 20 साल तक लोगों को सेना में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया की फिल्म स्काई फोर्स की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए। उनके साथ सीडीएस जनरल अनिल चौहान और अन्य अधिकारियों ने भी फिल्म देखी। उन्होंने फिल्म की स्टारकास्ट की भी तस्वीरें अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट में शेयर किया।

24 जनवरी को रिलीज होगी स्काई फोस

यहां सुअर देखने के लिए लाखों दे रहे लोग

हर किसी का अलग शौक हो सकता है, लेकिन कभी आपने सुना है कि कोई सुअर देखने के लिए लाखों रुपये खर्च करे। यहां तक कि लग्जरी होटल का रूम किराये पर ले। शायद नहीं। मगर चीन में ऐसा हो रहा है। यहां लोगों को सुअरों को करीब से देखना इतना पसंद है कि वे इसके लिए एक लाख रुपये तक देने के लिए तैयार हैं। उस होटल रूम को किराये पर ले रहे हैं जिसकी खिड़कियों से यह दुर्लभ सुअर दिखाई देते हैं। पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत में थीम पार्क एक होटल बनाया गया है, जो बिल्कुल महल की तरह नजर आता है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है, ताकि इसकी खिड़कियों से जमीन पर मौजूद सुअरों को देखा जा सके। इसका वीडियो चीन की सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। आप सोच रहे होंगे कि सुअर कोई क्यों देखना चाहेगा। दरअसल, यह बेहद दुर्लभ और सबसे मूल्यवान सूअरों में से एक हैं, जिनसे फेमस और पारंपरिक डिश जिन्हुआ हैम बनती है। देखने में यह विशालकाय पांडा नजर आता है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह पार्क 'पांडा पिग' नाम के सूअरों की नस्ल को प्रमोट करने के लिए साल 2021 में खोला गया था। इस पार्क को लोग जिन्हुआ का डिज्नीलैंड भी बोलते हैं। जो सुअर यहां से नजर आते हैं उनका सिर और पूंछ वाला हिस्सा काले रंग का होता है। इस नस्ल को मूल रूप से टू-एंड ब्लैक पिग कहते हैं, और तकरीबन 1200 वर्षों से यह चीन में मौजूद हैं। इसे जिन्हुआ ड्राई-क्योर्ड हैम का पारंपरिक स्रोत भी माना गया है। जो इटली के प्रोसियुट्टो डी पर्मा और स्पेन के जामोन इबेरिको का मुकाबला करता है। ये दोनों डिश भी सुअरों से ही बनाई जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, इटली के व्यापारी और राजदूत मार्को पोलो 13वीं सदी में जिन्हुआ से ड्राई-क्योर्ड हैम का सीक्रेट यूरोप लेकर गए थे। उसके बाद से यह पूरी दुनिया में मशहूर हो गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस नस्ल के सुअर अब सिर्फ 80 हजार तक ही बचे हैं, जो सुअरों की कुल आबादी का सिर्फ 3 फीसदी है।

अजब-गजब | इस शहर पर कब्जा करने की फिराक में एलियंस!

पहले दिखे 10 फीट के एलियन, अब दिखा यूएफओ

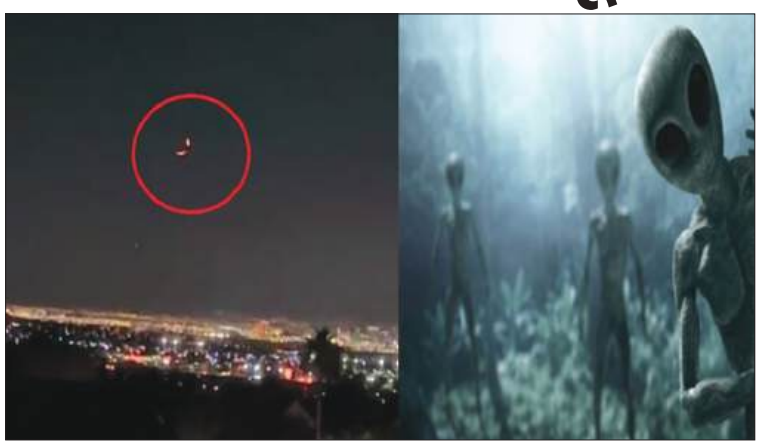

एलियंस को लेकर लंबे समय से बहस चली आ रही है। कई लोगों का मानना है कि एलियंस जैसी कोई चीज नहीं होती। वहीं कई लोगों का मानना है कि एलियंस होते हैं और कई लोगों ने तो एलियंस और यूएफओ देखने के दावे किए जा चुके हैं। कई बार सोशल मीडिया पर यूएफओ से जुड़ी तस्वीरें और वीडियोज भी सामने आते हैं। हालांकि अभी तक यह साबित नहीं हो पाया है कि इनमें सच्चाई कितनी है। कभी कहीं यूएफओ स्पॉट किया जाता है तो कभी एलियन ही नजर आता है। लेकिन हर बार इन सबूतों को शक के आधार पर रिजेक्ट कर दिया जाता है। बता दें कि लॉकडाउन के दौरान अमरीका के कई रिटायर्ड ऑफिसर्स ने देश पर अजीबोगरीब आरोप लगाया था। इनका कहना था कि अमरीका के पास एलियंस से जुड़ी कई जानकारियां हैं, जिसे लोगों से छिपाया जा रहा है। साथ ही यह भी दावा किया गया था कि अमरीका ने एलियंस से संपर्क कर लिया है। अब कहा जा रहा है कि इसी देश के एक स्टेट पर एलियंस के कब्जे की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि लॉस वेगास में पिछले कुछ दिनों से एलियंस से जुडी गतिविधियां बढ़ गई हैं। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद एलियंस यहां कब्जा जमाना चाहते हैं। हाल ही लॉस वेगस में रहने वाले एक परिवार ने दावा किया कि उन्होंने आसमान में यूएफओ देखा। इसका वीडियो बनाकर शेयर भी किया गया। पिछले महीने में ये दूसरी बार है कि लोगों को यहां यूएफओ अजर आया। इस वीडियो को 21 जून को रात के साढ़े दस बजे कैप्चर किया गया। जिस शख्स ने इसे रिकॉर्ड किया, उसका दावा है कि आसमान में करीब बीस मिनट तक ये यूएफओ घूम रहा था। इसके बाद एक अन्य शख्स ने भी ऐसे ही दावे के साथ तस्वीर शेयर की। यानी एक ही महीने के अंदर दो बार लॉस वेगस में यूएफओ देखा गया। कुछ समय पहले इसी जगह पर एलियंस देखे जाने का दावा किया गया था। एक परिवार ने कहा था कि उन्होंने अपने घर के गार्डन में 10 फीट की एक आकृति देखी थी जो सौ प्रतिशत इंसान नहीं थी। इसे उन्होंने एलियन बताया था। हालांकि, अब यूएफओ के दावे को कई लोग रिजेक्ट कर रहे हैं। वायरल वीडियो देखने के बाद कई ने लिखा कि ये आसमान में चमकता वीनस है। वहीं एक ने लिखा कि ये कोई यूएफओ नहीं है। किसी उल्कापिंड के गिरने को उन्होंने यूएफओ समझ लिया होगा।

बालासाहेब ठाकरे भारत रत्न के हकदार : राउत

जन्म शताब्दी शुरू होने से पहले सरकार को देना चाहिए भारत रत्न

» बाल ठाकरे की 99वीं जयंती के अवसर पर संजय राउत ने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने पार्टी के संस्थापक दिवंगत बाल केशव ठाकरे, जिन्हें बालासाहेब ठाकरे के नाम से जाना जाता है, के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न की मांग की। कई ऐसे लोगों को भारत रत्न मिला, जो इसके कभी हकदार नहीं थे। लेकिन जिस व्यक्ति ने वास्तव में इस देश में हिंदुत्व के बीज बोए, वह भारत रत्न के हकदार हैं। 'हिंदू हृदय सम्राट' बाल ठाकरे को इस पुरस्कार से सम्मानित क्यों नहीं किया गया? बालासाहेब को भारत रत्न दिया जाना चाहिए।

यह शिवसेना की मांग है, राउत ने 23 जनवरी को बाल ठाकरे की 99वीं जयंती के अवसर पर कहा। राउत ने कहा कि ठाकरे की जन्म शताब्दी में बस एक साल बाकी है। राउत ने कहा, उनकी जन्म शताब्दी शुरू होने से पहले यह जरूरी है कि उन्हें भारत रत्न दिया जाए। सरकार वीर सावरकर को भारत रत्न नहीं दे सकती। अगर वे बालासाहेब को यह सम्मान देते हैं, तो यह सावरकर की विरासत का भी सम्मान होगा। बालासाहेब ठाकरे का निधन 17 नवंबर, 2012 को हुआ था। संयोग से, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना पहले भी यह मांग कर चुकी है और यही मांग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने भी 9 फरवरी, 2024 को की थी।

एकनाथ शिंदे वाली पार्टी शिवसेना नहीं

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना की तुलना चीनी पटाखों से करते हुए संजय राउत ने कहा कि असली शिवसेना मातोश्री में है। बाजार में नकली दवाइयां और कपड़े हैं। चीनी पटाखे हैं। वे फटते नहीं हैं, लेकिन केवल चिंगारी निकलती है। ऐसे उत्पाद भाजपा द्वारा खरीदे जा रहे हैं। संबंधित घटनाक्रम में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने बेटे आदित्य ठाकरे के साथ गुरुवार को बाल ठाकरे को सम्मानित करने के लिए एक श्रद्धांजलि समारोह का नेतृत्व किया, जहां कई भाजपा नेता समेत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बालासाहेब को पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मैं बालासाहेब ठाकरे जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देता हूं। जन कल्याण और महाराष्ट्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें व्यापक रूप से सम्मानित और याद किया जाता है। जब बात अपने मूल विश्वासों की आती थी तो वे समझौता करने में पीछे नहीं रहते थे और हमेशा भारतीय संस्कृति के गौरव को बढ़ाने में योगदान देते थे। हालांकि, बालासाहेब ठाकरे को प्रधानमंत्री की श्रद्धांजलि पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय राउत ने कहा, मैं उनका नाम लेकर उनका अपमान नहीं करना चाहता, लेकिन अगर सरकार वास्तव में बालासाहेब ठाकरे को श्रद्धांजलि देना चाहती है, तो उन्हें 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस पर उनके लिए भारत रत्न की घोषणा करनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री और प्रधानमंत्री ने बालासाहेब को श्रद्धांजलि देते हुए ट्वीट किए हैं।

पहले रोया फिर लगाने लगा ठहाके

20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया सरकारी बाबू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिला अंतर्गत बरवाडीह अंचल के प्रभारी सर्किल इंस्पेक्टर सुरेश राम को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने गुरुवार को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। वह जमीन के लगान की रसीद जारी करने के एवज में एक महिला से रिश्वत की रकम ले रहा था। एसीबी ने जब उसे उसके सरकारी क्वार्टर में गिरफ्तार किया तो पहले उसने जमकर हंगामा मचाया। रोय और फिर उसने ऐसा काम किया लोगों ने सर पकड़ लिया। हुआ यूं कि उसे हंगामा मचाता देखपुलिस बुलाई गई तो वह जोर-जोर से ठहाके लगाने लगा। पुलिसकर्मियों के बीच ठहाके लगाते सर्किल इंस्पेक्टर की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

बताया गया कि एक महिला ने साल 2024 में 30 डिसमिल जमीन खरीदी थी। इसका म्यूटेशन कराने के बाद लगान रसीद कटवाने के लिए वह राजस्व कर्मचारी सह प्रभारी अंचल निरीक्षक सुरेश राम से मिली, तो उसने एक लाख रुपये रिश्वत की मांग की। महिला ने इस पर असमर्थता जताई और वह किस्तों में रकम देने को तैयार हुई। सुरेश राम दो किस्तों में यह रकम लेने को तैयार हो गया। पहली किस्त के रूप में 20 हजार रुपए पर रजामंदी बनी। इस बीच पीड़िता ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की। शिकायत सही पाए जाने के बाद ब्यूरो ने मामला दर्ज करते हुए ट्रैप की रणनीति तैयार की। महिला ने सुरेश राम के सरकारी क्वार्टर पर पहुंचकर जैसे ही रिश्वत की रकम दी, एसीबी की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के एसपी अंजनी अंजन ने सीआई की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

रणजी ट्रॉफी में जडेजा ने झटके पांच विकेट

» बीसीसीआई ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के लिए घरेलू मैच खेलना किया अनिवार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी सीजन के छठे राउंड की शुरूआत काफी धूमधाम से हुई। जिसमें सभी की निगाहें भारतीय टेस्ट टीम के खिलाड़ियों पर टिकी थीं, जो अपनी-अपनी राज्य टीमों के लिए खेल रहे थे। बीसीसीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के लिए घरेलू मैच खेलना अनिवार्य है, रवींद्र जडेजा ने रणजी ट्रॉफी में वापसी करते हुए दिल्ली के खिलाफ मैच के पहले दिन सौराष्ट्र के लिए 5-66 और बल्ले से 38 रन बनाकर यादगार दिन बिताया।

जडेजा ने यश ढुल, आयुष बदौनी, नवदीप सैनी, हर्ष त्यागी और सनत सांगवान को आउट करके शानदार पांच विकेट लिए और सौराष्ट्र को राजकोट में दिल्ली को 188 रनों पर आउट करने में मदद की। दिल्ली के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने निराशाजनक प्रदर्शन किया, लेकिन 10 गेंदों में से सिर्फ एक रन ही बना पाए। ऑफ स्पिनर धर्मेंद्र सिंह जडेजा की गेंद पर स्वीप करने के प्रयास में वह डीप स्क्वायर लेग पर कैच आउट हो गए। सौराष्ट्र की बल्लेबाजी पारी में जडेजा पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए और 36 गेंदों पर 38 रन बनाए, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे। इसके बाद उन्हें शिवम शर्मा ने आउट किया। मेजबान टीम ने स्टंप तक 163/5 का स्कोर बनाया और दिल्ली से 25 रन पीछे थी। दूसरी ओर, जायसवाल चार रन बनाकर औकीब नबी का शिकार बने, जिन्होंने सुबह के झटकों का पूरा फायदा उठाया और बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को तेज गेंद पर एलबीडब्लू आउट कर दिया। मुंबई के बाकी स्टार खिलाड़ी कुछ खास नहीं कर सके।

रोहित शर्मा ने खेला 10 वर्षों बाद घरेलू क्रिकेट मैच

मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में एमसीए शरद पवार क्रिकेट अकादमी मैदान पर रोहित शर्मा की 10 साल बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई। वह सिर्फ 19 गेंदों पर आउट हो गए। उन्हें जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज उमर नजीर ने सिर्फ तीन रन पर आउट कर दिया। यह एक ऐसा दिन था जिस दिन 17 विकेट गिरे, क्योंकि मौजूदा रणजी ट्रॉफी चैंपियन मुंबई को सिर्फ 120 रन पर आउट कर दिया गया और जम्मू-कश्मीर को पहली पारी की बढ़त दे दी, जिसने पहले दिन 174/7 पर 54 रनों की बढ़त हासिल की। अनुशासन और सटीकता के साथ गेंदबाज़ी करते हुए नज़ीर ने रोहित को लगातार मेडन से परेशान किया, जिससे मैदान के आस-पास बड़ी संख्या में मौजूद प्रशंसकों को निराशा हुई। इस आउट होने से रोहित का लाल गेंद वाले क्रिकेट में खराब दौर जारी रहा।

गोपाल राय ने दी योगी को चेतावनी!

» आप नेता ने सड़कों की तुलना करने पर यूपी के सीएम को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी के पक्ष में समा बांधने पहुंचे यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान पर आम नेता गोपाल राय ने जबर्दस्त कटाक्ष किया है। दरअस्ल सीएम योगी ने दिल्ली की सड़कों की तुलना यूपी की सड़कों से की थी। उनके इस बयान पर गोपाल राय ने कहा है कि कभी नोएडा की लोनी आये तो पता चलेगा कि वह झूठ बोल रहे है या फिर सच। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को किराड़ी, करोल बाग, जनकपुरी में चुनावी सभाएं की।

उन्होंने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां की सड़कों से अच्छी तो यूपी के नोएडा की सड़कें हैं। योगी आदित्यनाथ की चुनावी सभा के बाद आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और बाबरपुर विधानसभा सीट से प्रत्याशी गोपाल राय ने कहा, दिल्ली की सड़कों की तुलना नोएडा से करने की बजाय उन्हें लोनी जाना चाहिए। उन्हें पता चल जाएगा कि नोएडा की सड़कें कैसी हैं। योगी आदित्यनाथ के इस बयान पर कि रोहिंग्याओं को आप का समर्थन है, गोपाल राय ने कहा कि रोहिंग्या को दिल्ली में कौन दाखिल करवाता है। हमारी सीमा नोएडा पर खत्म हो जाती है। बांग्लादेशियों को यहां पर भाजपा ही दाखिल करवाती है।

रोहिंग्या को बीजेपी करती है सपोर्ट

बीजेपी हार रही है चुनाव

कालकाजी से भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी के खिलाफ आतिशी द्वारा शिकायत करने पर उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव हार रही है। हताशा में भाजपा के नेता जो करते हैं, वही रमेश बिधूड़ी भी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में 5 फरवरी को 70 सीटों पर वोटिंग होगी। वोटिंग के बाद 8 फरवरी को परिणाम घोषित किया जाएगा। एक सवाल के जवाब में गोपाल राय ने कहा कि बाबरपुर के लोगों ने पहले भी उन्हें वोट दिया है। उन्होंने हमने काम किया है। यहां के लोग फिर से काम करने के लिए समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछली बार से ज्यादा समर्थन मिलेगा। इस सीट पर गोपाल राय 2015 और 2020 में चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

दिल्ली चुनाव में ओवैसी की एंट्री

» ओखला में शिफा उर रहमान के लिए मांगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा इलेक्शन को लेकर राजनीतिक दलों की तरफ से चुनावी अभियान तेज कर दिया गया है। जहां एक ओर यूपी के सीएम योगी की सभाएं चल रही थी तो दूसरी ओर एआईएमआईएम के चीफ ओवैसी भी सभाएं कर रहे थे। असदुद्दीन ओवैसी ने ओखला में चुनावी प्रचार किया और शिफा उर रहमान के लिए वोट मांगे। ओवैसी ने कहा कि हम शिफा उर रहमान के लिए प्रचार करने के लिए पहुंचे हैं।

ओखला में हम पहले भी विधानसभा का इलेक्शन लड़ चुके हैं, लेकिन, इस बार माहौल अलग है। केजरीवाल के विधायक ने 10 साल में यहां विकास का एक भी कार्य नहीं किया है। यहां के लोग काफी नाराज हैं। शिफा उर रहमान और ताहिर हुसैन पर सरकारों ने नाजायज जुल्म किया है। गैर-जरूरती तरीके से दोनों को जेल में डाला है। यहां की जनता वोट के माध्यम से जवाब देगी। ओवैसी ने केजरीवाल से खूब सवाल पूछे लेकिन यूपी के सीएम योगी पर वह चुप्पी साधे रहे।

सिर्फ नोटिस से काम चला रही सरकार, इस भ्रष्ट प्रोफेसर की नहीं हो रही विजिलेंस जांच

» नोटिस जारी, जल्द चलेगी फर्जी प्रोफेसर विमल जायसवाल पर दंड की चाबुक

» 4पीएम ने छापी थी खबर जागा यूनिवर्सिटी प्रशासन

» लखनऊ विश्वविद्यालय के अप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग में फर्जी दस्तावेजों के बल पर हासिल की है प्रो. विमल जायसवाल ने नौकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 4पीएम में छपी खबर के बाद लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन जागा है और उसने विमल जायसवाल को नोटिस जारी करने की बात कही है। लेकिन यूनिवर्सिटी प्रशासन के नोटिस जारी करने के टाइम पर सवाल उठ रहे हैं।

क्योंकि 8 जनवरी को कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में गठित कमेटी को 23 जनवरी तक रिपोर्ट सौंप देनी थी। लेकिन कुलपति इन दिनों ताजिकिस्तान के दौरे पर हैं, इसलिए जांच समय सीमा में पूरी होने की उम्मीद कम है। शायद यही कारण है कि विधायक ने इस विषय की जांच के लिए किसी आईएएस को जांच सौपने की मांग की चिटठी सीएम योगी आदित्यनाथ को लिखी है।

जांच पर भरोसा कम

यूनिवर्सिटी प्रशासन इस दिशा में सुस्त चला चल रहा है। भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई लड़ रहे लोग लगातार इस विषय में प्रशासन को सबूत मुहैया करा रहे हैं। हर स्तर पर शिकायत की जा चुकी है। फिर भी प्रशासन बजाए कार्रवाई के नोटिस जारी कर रहा है। हालाकि विषय से जुड़े लोगों का कहना है कि नोटिस जारी होना भी बड़ी जीत है।

हर स्तर पर शिकायत

प्रोफेसर विमल जायसवाल के पिता सियाराम जायसवाल भी उसी विभाग में प्रोफेसर और उत्तरप्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के अध्यक्ष रहे हैं जिस विभाग में वह प्रोफेसर है। ऐसे में प्रोफेसर विमल नॉन क्रीमी लेयर की परिधि से बाहर हो जाते हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी दस्तावेजों के बल पर नौकरी हासिल की है। उनकी शिकायतें हर स्तर पर हो रही है। यहां तक विधानसभा में इस विषय पर सवाल भी उठ चुका है। विधानसभा में सवाल के बाद ही जांच शुरू हुई लेकिन जांच की सुस्त रफ्तार बता रही है कि विमल जायसवाल की पैठ यूनिवर्सिटी प्रशासन में गहरी है।

क्यों सुस्त है जांच

जानकारों का कहना है कि यदि विमल कुमार जायसवाल पर कार्रवाई होती है तो उन लोगों पर भी कार्रवाई होगी जो इस परिधि में आते हैं। सूत्रों के मुताबिक सिर्फ विमल ही नहीं ऐसे बहुत से दूसरे अन्य लोग भी है जो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी कर रहे हैं। प्रो विमल पर आरोप है कि उन्होंने अंकों में हेर-फेर और शोध विद्यार्थियों का शोषण किया है। ओबीसी कटेगरी में क्रीमीलेयर की गलत सूचना देकर वर्ष 2005 में सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति पा ली।

विधायक अभय सिंह ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

अयोध्या के गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह ने प्रो. विमल की जांच से कुलपति को हटाने के लिए 13 जनवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा। 15 जनवरी को प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने जल्द ही प्रकरण की जांच कराने के लिए आगे बढ़ा दिया। पत्र में विधायक ने कुलपति की जगह किसी वरिष्ठ आईएएस अधिकारी से जांच की मांग की है।

फोटो: सुमित कुमार

विधानसभा पर हुआ फुल ड्रेस रिहर्सल

गणतंत्र दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन किया जा रहे हैं इसमें सबसे महत्वपूर्ण है सेरेमोनियल ग्रिल और परेड। आज दूसरा और फाइनल फुल ड्रेस रियल टाइम परेड रिहर्सल किया गया। इसमें 66 मार्चिंग टुकड़ी व विभिन्न स्कूल सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। संस्कृति विभाग की ओर से 9 प्रस्तुतियां होंगी। इसके अलावा झांकियों कि विशेष प्रस्तुति होगी। इस साल परेड और झांकियां में महाकुंभ का रंग विशेषकर नजर आ रहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मुख्य फोकस प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ की थीम पर है।

26 जनवरी से दिल्ली में पार्टी के लिए प्रचार करेंगी प्रियंका गांधी

» दिल्ली विस चुनाव में महत्वपूर्ण सीटों पर रोड शो और रैलियां करेंगी कांग्रेस सांसद

» दिल्ली में राहुल गांधी के ज्यादातर प्रोग्राम कैंसिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा 26 जनवरी से दिल्ली में चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत कर सकती हैं। कांग्रेस के अभियान प्रबंधन से जुड़े एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि प्रियंका गांधी रविवार 26 जनवरी की शाम को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में अपनी पहली रैली को संबोधित कर सकती हैं।

उन्होंने बताया कि सभी कांग्रेस उम्मीदवारों ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) से अनुरोध किया है कि प्रियंका उनकी सीट पर प्रचार करें। हालांकि, वह केवल महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करेंगी।

राहुल गांधी की सेहत खराब

गुरुवार को राहुल गांधी ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद में अपनी रैली रद्द कर दी, जिससे चुनाव प्रचार में उनकी उपलब्धता को लेकर संशय बरकरार है। राहुल गांधी हाल ही में अस्वस्थ होने के कारण कुछ कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पाए थे। इनमें दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में उनका प्रस्तावित कार्यक्रम भी शामिल था।

इससे पहले सांसद राहुल गांधी बुधवार को सदर बाजार निर्वाचन क्षेत्र के इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर एक रैली को संबोधित करने वाले थे, लेकिन खराब सेहत के कारण रैली में शामिल नहीं हो पाए।

तीन गुजराती स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

» इन स्कूलों में पढ़ते हैं वीआईपी बच्चे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बडोदरा। गुजरात के वडोदरा में तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। भायली क्षेत्र में स्थित नवरचना स्कूल के प्रिंसिपल को एक ई-मेल भेजकर बम से उड़ाने की धमकी दी गई, जिसमें दावा किया गया कि पाइपलाइन में बम रखे गए हैं। धमकी भरा ईमेल शुक्रवार तड़के चार बजे आया।

सूचना मिलने पर बम निरोधक दस्ते (बीडीएस), क्राइम ब्रांच और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एहतियात के तौर पर छात्रों को आज छुट्टी दे दी गई है। बीडीएस की टीम गहन जांच करने नवरचना स्कूल और विश्वविद्यालय पहुंची। बीडीएस टीम ने विश्वविद्यालय का निरीक्षण करना शुरू कर दिया, जबकि क्राइम ब्रांच और पीसीबी पुलिस की टीमें भी तलाशी अभियान में शामिल हो गईं। सूत्रों के अनुसार, नवरचना स्कूल में वरिष्ठ अधिकारियों और राजनेताओं के बच्चे भी पढ़ते हैं। पुलिस ने बम की धमकी देने वाले व्यक्ति का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

डोनाल्ड ट्रंप के सिग्नेचर से खुलेगा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों की हत्या का राज

जॉन एफ कैनेडी, सीनेटर रॉबर्ट एफ कैनेडी और रेवरेंड डॉक्टर मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्याओं से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक करने के कार्यकारी आदेश पर किया हस्ताक्षर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी, सीनेटर रॉबर्ट एफ कैनेडी और रेवरेंड डॉक्टर मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्याओं से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक करने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी लोगों को सच जानने का हक है।

डिटेल्ड डाक्यूमेंट शेयर करते हुए व्हाइट हाउस ने कहा, छह दशकों की गोपनीयता के बाद अमेरिकियों को सच्चाई से रूबरू कराना है।

बयान में कहा गया, कार्यकारी आदेश यह नीति स्थापित करता है कि इन हत्याओं के 50 से अधिक वर्षों के बाद, पीड़ितों के परिवार और अमेरिकी लोग सच्चाई के हकदार हैं।

हत्याओं पर हत्याएं हुई थीं

कार्यकारी आदेश शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों को 15 दिनों के अंदर डॉक्यूमेंट को सार्वजनिक करने की योजना प्रस्तुत करने का निर्देश देता है। राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की 1963 में डलास में हत्या कर दी गई थी। उनके भाई रॉबर्ट एफ कैनेडी की कैलिफोर्निया में 1968 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ते समय हत्या कर दी गई थी। इसके मात्र दो महीने बाद अमेरिका के सबसे प्रसिद्ध नागरिक अधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर की मेम्फिस, टेनेसी में हत्या कर दी गई थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।